हरदेव गुरु के सपने ,मिल कर साकार करेंगे
आओ प्रण कर ले संतो ,हम सबसे प्यार करेंगें

इक प्रेम पुंज थे वो तो , आये थे प्रेम फैलाने
हर घट में ये ईश्वर है, आये थे बात बताने
मन में वही बात बसा कर, अब न तकरार करेंगे
आओ प्रण कर ले....

मन मैले थे हम सबके, फिर भी हमको अपनाया
बख्शे थे गुनाह हमारे, और अपने गले से लगाया
हम भी हर एक बशर का, दिल से सत्कार करेंगे
आओ प्रण कर ले....

हर फूल व हर इक डाली, थी उस माली को प्यारी
बड़ी मेहनत और लगन से,उसने ये सींची क्यारी
हर फूल – कली में अब हम , उनका दीदार करेंगें
आओ प्रण कर ले...

सतगुरू माता जी ने हैं, आकर 'बेजोड़' संभाला
अपने सब दर्द भुलाकर , हमें हर गम से निकाला
हम इनके आदेशो को , जीवन में शुमार करेंगे
आओ प्रण कर लें...
तर्ज़ : तुझे सूरज कहूं या चंदा...